# सफलता की कहानी

सफलता की इस कहानी के पात्र याकुब लकड़ा है जो छत्तीसगढ़ राज्य के जिला बलरामपुर के शंकरगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत् ग्राम सरिमा के निवासी हैं। याकुब का परिवार अनुसूचित जनजाति समुदाय से ताल्लुक रखता है एवं ग्राम सरिमा में विगत् 100 साल से भी ज्यादा समय से इनका परिवार निवासरत है इनके परिवार में कुल मिलाकर 05 सदस्य हैं याकूब की मुख्य आमदनी का स्रोत कृषि है याकूब के पास 1.62 हेक्टेयर जमीन है जिसका विवरण निम्नलिखित है:

| कुल भूमि एकड़ में | खेती करने योग्य भूमि | एक फसलीय भूमि | दो फसलीय भूमि | सिंचित भूमि | असिंचित भूमि | सिंचाई का साधन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4.00 | 3.50 | 3.50 | 1.00 | 1.00 | 3.50 | ट्युबवेल |

संथान के द्वारा क्रेडा विभाग से सोलर पम्प का सहयोग :–

याकुब लकड़ा विगत् वर्ष 2019 के दिसम्बर –माह में ग्राम सरिमा के ग्राम पंचायत के बैठक में मनरेगा BRLF परियोजनांतर्गत् ग्राम स्तर पर किसानों के साथ कृषि विकास हेतु जागरुकता बैठक का बी. आर. एल.एफ.– सरगुजा ग्रामीण विकास संस्थान दल द्वारा किया जा रहा था तब बैठकों में आना हुआ जिसमें अपने परिवार के विकास एवं आजीविका के बारे में बताया गया । जिसको सुन कर मैंने अपने नीजी भूमि पर में पूर्व मे खोदे हुए बोर में सोलर पम्प लगाने की बात का बैठक में रखा। और मै संथान के टीम के पास इस बात को लेकर जानकरी लिया तब टीम ने मुझे बताया कि आपके बोर में क्रेडा विभाग से सोलर पैनल लग सकता है। तो मैं इसका फाईल दो दिवस के अन्दर में तैयार कर कृषि विभाग में जमा किया। इसके कुछ महीनों पश्चात में मेरा सोलर पम्प स्वीकृत हो कर माह अप्रैल 2020 में आया। मुझे ग्राम सहायक ने बताया कि आपका सोलर पम्प सेट की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गयी है।

## स्वयं से सब्जी की खेती :-

याकूब लकडा के द्वारा क्रेडा विभाग से सोलर पैनल लगने के बाद से याकूब लकड़ा ने अपने आस पास के खेतों मे अपने निजी जमीन मे लगभग 1.00 एकड में सब्जी की खेती कर रहा है। जिसमे टमाटर, प्याज, लौकी, इत्यादी की खेती परम्परागत विधि से कर रहा है जो आज के समय में अधिक लागत होने के कारण से आय में वृद्धि एवं उत्पादन में बढोत्तरी नही होने से याकूब हमेशा चिन्तीत रहता था। इसके पश्चात संथान के टीम के द्वारा उन्नत सब्जी की खेती करने हेतु जैविक खाद एवं जैविक दवाई बनाने के बारे में ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। और खड़ा मचान खेती करने के बारे में भी जानकारी भी साथ में दिया गया जिसको सुनकर याकूब नें खड़ा मचान खेती करने का मन बना लिया हैं।

## संथान के द्वारा उन्नत सब्जी की खेती करने का प्रशिक्षणः–

संथान के टीम के द्वारा यह बताया की एक जमीन में मिश्रित सब्जी की खेती कर सकते है जिसमें सब्जीयों में बिमारी लगने की सम्भावना कम होता है। इसके बाद याकुब ने इन्ही सब बात को सुनकर अपने खेत की तैयारी करके संथान के टीम से सर्म्पक कर अपनी खेत में खडा मचान खेती करने के लिए टीम को अपने खेत में बुलवाया।जिसका रकबा लगभग 1 एकड़ है। इसके पश्चयात संथान के टीम ने याकूब के खेत में जाकर खडामचान एवं हाण्डी दवा और जीवामृत बनवाया गया । और याकुब के खेत में मिश्रित सब्जी की खेती बीज का बोवाई कराया गया । जैसे सागवाली बीज पालक धनीया पत्ता चौराई अदरक हल्दी प्याज लतावाली कुन्दरू लौकी करेला इत्यादी का सब्जी की खेती करवा गया है। संथान के टीम के द्वारा समय –समय पर याकुब को मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

## संथान के द्वारा उद्यानिकी विभाग से केला का पौधा के सहयोग :–

याकुब लकडा के द्वारा अपने खेत में फलदार वृक्षारोपण करने की बहुत इच्छा थी । lFkku d: }kjk उद्यानिकी विभाग से मिलकर याकुब को कलमी आम, निंबू, अमरुद मुन्गा पपीता केला इत्यादि फलों के पौधे निःशुल्क प्रदान किये जिसमें याकुब ने सभी पौधे को अपनी निजि भूमि पर रोपित किये। जिसमें सबसे

ज्यादा केला का पौधा है। और इसके बीच– बीच में अन्य सब्जी की खेती भी संथान के मार्गदर्शन से लगवाया गया है।जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है।

तुलनात्मक आमदनी का ब्यौरा वर्तमान में

| बेसलाईन सर्वे अनुसार याकुब का वार्षिक आमदनी रू | आामदनी में वृद्धि के नये आयाम एवं संभावित आमदनी अभी तक में | |
|---|---|---|
| | खड़ामचान | सब्जी खेती |
| 22000 | 7300 | 11700 |

सामाजिक सोंच में परिवर्तन :

इस प्रयास से जहा एक ओर आमदनी वृद्धि को नई एवं स्थायी दिशा मिली है वही दुसरी ओर याकुब सहित आसपास के अन्य किसानों के लिए एक समझ विकसित करने का जरिया स्थापित हुआ हैं। प्रायः छोटे किसान उन्नत एवं खड़ा मचान  सब्जी की खेती करके अपनी आमदनी बढा सकतें है।

भविष्य की योजना

याकुब यह सोंच हैं कि आने वाले समय में अपने एक एकड़ खेत में पॉच लेयर सब्जी की  खेती करने की तैयारी है। जिससें की हम एक वर्ष में अपना आय को वृद्धि कर सकते है इस साल में एक छोटे रकबा में खड़ामचान से  सब्जी की खेती करने पर 19000 रूपये का सब्जी विक्रय करके आमदनी हुआ हैं जिससे कि मुझे अनुभव हुआ कि छोटे किसान भी अपने कम जमीन में खडा मचान सब्जी की खेती कर सकते है और हम जैसे छोटे किसानों को खडा मचान सब्जी की खेती एक बरदान सावित हो सकता है पौधा रोपण के बिच में मौसमी उन्नत सब्जी की खेती करने की तैयारी है।